

कर्करेटु पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का सारस पक्षी
2. गला पकड़ने के समान आकृति वाला हाथ।

कर्कश पुं. (तत्.) 1. तलवार 2. कटार 3. ईख की
एक प्रजाति 4. कमीले का पेड़ 5. ईख वि.
कठोर, कड़ा, सख्त, निष्ठुर, कटु।

कर्कशता स्त्री. (तत्.) 1. कर्कश होने की अवस्था,
भाव, गुण 2. कठोरता 3. निष्ठुरता 4. तीव्रता
5. उद्वेगिता।

कर्कशा स्त्री. (तत्.) 1. झगड़ालू (स्त्री) 2. तेज
और उग्र स्वभाव वाली (स्त्री) 3. लड़ाकी (स्त्री)।

कर्कशी वि. (तत्.) 1. कटु व तीव्र (स्वर) 2. क्रूर,
निर्दयी 3. निष्ठुर 4. कठोर, कड़ा 5. खुरखुरा,
काँटेदार, प्रचंड, तेज।

कर्कस वि. (तद्.) दे. कर्कश।

कर्कतन पुं. (तत्.) जमुरद (बेरिल) नामक एक
रत्न विशेष।

कर्कोट पुं. (तत्.) 1. ककोड़ा, खेखसा 2. पीले फूलों
वाला एक शाक 3. बेल का पेड़।

कर्ज पुं. (अर.) 1. उधार लिया हुआ धन इत्यादि
2. कर्जा, ऋण मुहा. कर्ज उतारना- कर्जा (ऋण)
चुकाना, उधार उतार देना; कर्ज खाना- कर्ज
लेना, उपकृत होना, ऋण लेकर काम चलाना;
कर्ज खाए बैठना- सदा हर तरह तत्पर रहना।

कर्जदार वि. (अर.) ऋणी, जिसने उधार ले रखा
हो।

कर्ण पुं. (तत्.) 1. महाभारत का पराक्रमी तथा
यशस्वी योद्धा जो कुंती का सबसे बड़ा बेटा था
जिसे उसने त्याग दिया था और उसे अधिरथ
तथा राधा ने पाला-पोसा था 2. जिस इंद्रिय से
शब्द सुनाई देते हैं, श्रवणेंद्रिय, कान 3. वृत्त की
मध्य रेखा 4. नाव की पतवार 5. एक
सममात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 30
मात्राएँ होती हैं तथा अंत में दो गुरु होते हैं 6.
समकोण त्रिभुज में समकोण के सामने वाली रेखा
मुहा. कर्ण का पहरा- प्रातःकाल (दान, पुण्य का
समय)।

कर्णक पुं. (तत्.) 1. (किसी वस्तु का) कान के
समान बाहर निकला अंग 2. पेड़ की डालियाँ
और पत्ते 3. बर्तन आदि वस्तुओं को पकड़ने
का कुंदा (कुंडा)।

कर्णकटु वि. (तत्.) 1. सुनने में अप्रिय या कर्कश
प्रतीत होने वाला 2. अप्रिय (बात या शब्द)।

कर्णकुहर पुं. (तत्.) 1. कान का छेद जिससे शब्द
सुनाई देने में सहायता मिलती है।

कर्णग वि. (तत्.) 1. कान में गमन करने वाला
अर्थात् आवाज, ध्वनि, शब्द 2. कान तक फैला
हुआ 3. कर्ण-स्थित 4. कान में पड़ा हुआ 5.
आकर्ण।

कर्णगूथ पुं. (तत्.) कर्ण मल, कान का मैल।

कर्णगोचर वि. (तत्.) 1. सुनाई पड़ने वाला, जो
कानों से सुनाई दे 2. जो सुन पड़े, सुना जा सके
3. जो सुना गया हो।

कर्णजप पुं. (तत्.) 'कानाफूसी'।

कर्णदर्शी वि. (तत्.) कान की जाँच करने का एक
यंत्र। otoscope

कर्णधार पुं. (तत्.) 1. नाविक, माझी 2. किसी
संस्था का नेतृत्व संभालने वाला व्यक्ति 3.
सहायता करने वाला व्यक्ति, सहारा, अवलंब।

कर्णनाद वि. (तत्.) 1. कान में सुनाई पड़ती हुई
ध्वनि, गूँज, 'झनझनाहट' या 'घनघनाहट' 2.
कान का एक रोग जिसके कारण कान में हर समय
कुछ गूँज सुनाई पड़ती रहती है, कर्णनाद रोग।

कर्ण-पटह पुं. (तत्.) कान का पर्दा, कान की नली
के अंत में स्थित एक चमकदार पर्दा-या अर्धपार
दर्शी झिल्ली टि. कर्ण-पटह के तिरछे लगे होने
से कभी कुरेदने अथवा बाह्य चोट लगने से कान
का पर्दा फट जाता है।

कर्ण-परंपरा स्त्री. (तत्.) एक से दूसरे और दूसरे
से तीसरे को सुनने तथा इसी तरह बात या
ज्ञान फैलने की पद्धति।

कर्णपालि स्त्री. (तत्.) कान के नीचे लटका हुआ
कोमल भाग, कान की लौर, कर्णपाली।